अध्याय
10

मूल निवासियों का विस्थापन

1 साम्राज्यवाद

1.1 साम्राज्यवाद हुआ प्रक्रिया है जिसके द्वारा कोई देश अपनी सीमा के बाहर किसी क्षेत्र के आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित कर लेता है। साम्राज्यवाद से ही उपनिवेशवाद की उत्पत्ति हुई है।

1.2 ऑर्गन्सकी के"अनुसार वे सभी क्षेत्र उपनिवेश के अंतर्गत आते हैं जो विदेशी सत्ता द्वारा शासित हैं एवं जिनके निवासियों को पूरे राजनीतिक अधिकार प्राप्त नहीं होते हैं। "

1.3 दूसरे शब्दों में कहे तो शक्तिशाली राष्ट्रों द्वारा निर्बल राष्ट्रों का शोषण।

2 उपनिवेशवाद के कारण

2.1 3G नीति।

2.2 जनसंख्या वृद्धि।

2.3 कच्चे माल की प्राप्ति।

2.4 बाजार की खोज।

2.5 संपन्नता की चाहत।

2.6 ईसाई धर्म का प्रचार।

2.7 3G का अर्थ है तो गोल्ड ग्लोरी एंड गॉड अर्थात् सोना कीर्ति एवं ईश्वर, उपनिवेश की स्थापना से इन तीनों की प्राप्ति यूरोपीय देशों को हुई । अतः हम कह सकते हैं कि 3G की नीति ने उपनिवेश की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

2.8 औद्योगीकरण के परिणाम स्वरूप यूरोप के देशों में नगरों की जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई,अतः इस अधिशेष जनसंख्या को बसाने हेतु उपनिवेशों की स्थापना हुई।

2.9 औद्योगिकरण के परिणाम स्वरुप उत्पादन क्षमता में अत्यधिक वृद्धि हुई और इसके कारण कच्चे माल की मांग में काफी वृद्धि हो गई, जिसकी आपूर्ति हेतु नई उपनिवेशों की आवश्यकता महसूस की गई।

2.10 तैयार माल की खपत हेतु नई उपनिवेशों की आवश्यकता।

2.11 उपनिवेश कहीं न कहीं यूरोपीय देशों की संपन्नता का प्रतीक था। प्रारंभ में स्पेन और पुर्तगाल ने उपनिवेश स्थापित कर काफी संपन्न हो गए इसी लालसा में अन्य यूरोपीय देशों में भी उपनिवेश स्थापित करने की होड़ प्रारंभ हो गई।

2.12 ईसाई धर्म प्रचारकों ने भी उपनिवेश की स्थापना का समर्थन किया, क्योंकि नए उपनिवेश स्थापित होने से उन देशों में उन्हें

© JCERT not to be republished

अपने धर्म के प्रचार प्रसार हेतु सुविधाएँ प्राप्त हो जाती थी।

3 साम्राज्यवाद को बढ़ावा देने वाले देश।

3.1 ब्रिटेन

3.2 फ्रांस

3.3 पुर्तगाल

3.4 डच /हॉलैंड

3.5 स्पेन

4 सेटलर (आबादकार)

4.1 सेटलर शब्द दक्षिण अफ्रीका में डच के लिए आयरलैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में ब्रिटिश के लिए और अमेरिका में यूरोपीय के लिए प्रयोग होता था।

5 नेटिव (मूलनिवासी)

5.1 नेगेटिव का मतलब होता है ऐसा व्यक्ति जो अपने मौजूदा निवास स्थान में ही पैदा हुआ था।

6 पुर्तगाल के उपनिवेश

6.1 1498 ईस्वी में वास्कोडिगामा आशा अंतरीप होते हुए समुद्री मार्ग से भारत की खोज में निकला उसके बाद श्रीलंका के मन्नार और कोलंबो पर अधिकार जमा लिया।

6.2 प्रारंभ में इन खोजों का उद्देश्य व्यापारिक लाभ प्राप्त करना था। परंतु बाद में यह उपनिवेशवाद में परिवर्तित हो गया।

6.3 भारत को केंद्र बनाकर शीघ्र ही पुर्तगालियों ने श्रीलंका सुमात्रा जावा आदि में भी बस्तियां स्थापित की।

6.4 1511 ईसवी में चीन के कैंटन एवं 1542 ईसवी में जापान में भी प्रवेश किया।

6.5 थाईलैंड पर अधिकार कर कंबोडिया को व्यापारिक केंद्र बनाया।

6.6 अफ्रीका में भी सोफाला एवं मोजांबिक को केंद्र बनाया।

6.7 इस तरह यूरोप का प्रथम उपनिवेशवादी देश बनने का श्रेय पुर्तगाल को जाता है।

7 स्पेन का उपनिवेश

7.1 अब लिखो जो में पुर्तगाल के बाद सबसे अधिक रूचि लेने वाला देश स्पेन का।

7.2 क्रिस्टोफर कोलंबस ने अमेरिका की खोज की।

7.3 इसके बाद स्पेनिश लोगों ने सेंडोमिको दीप को अपना प्रथम उपनिवेश बनाया इसके पश्चात कैरेबियन दीपों के साथ-साथ फ्लोरिडा से वेनेज़ुएला तक अपना उपनिवेश कायम किया साथ ही साथ उत्तरी अमेरिका एवं पश्चिमी द्वीप समूह पर भी अधिकार स्थापित कर लिया।

7.4 1519 ईसवी में मेक्सिको की एजटेक सभ्यता का विनाश कर स्थानीय लोगों पर अधिपत्य स्थापित कर लिया ।

7.5 एजटेक साम्राज्य के शासक मोण्टृजुआ को बंदी बना लिया और उसकी राजधानी टेनोकरीट- लानके स्थान पर मेक्सिको नगर को बनाया।

7.6 एचडी के बाद फ्रांसिस्को पिज़ारो ने पेरु में साम्राज्य स्थापित किया और यहां मौजूद इंका साम्राज्य का विनाश कर दिया।

7.7 इसके बाद अर्जेंटीना एवं पराग्वे में राज्य की स्थापना हुई।

© JCERT not to be republished

7.8 अपने उपनिवेशवादी कार्यों को आगे बढ़ाते हुए इस स्पेनवासियों ने चीली, इक्वाडोर, कोलंबिया एवं बागोटा को भी बसाया एवं अधिकार स्थापित कर लिया।

8 ब्रिटेन/इंग्लैंड का उपनिवेश

8.1पुर्तगाल एवं स्पेन की बढ़ती आर्थिक संपन्नता ने यूरोप के अन्य देशों को भी उपनिवेश स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

8.21497 ईस्वी में इटली के नागरिक जॉन केवट ने अमेरिका के उत्तरी तट पर उतरा इसके परिणाम स्वरूप इंग्लैंड ने अटलांटिक महासागर के पूर्वी तट पर 13 उपनिवेश स्थापित किए जिसमें दक्षिण अमेरिका एवं उत्तर अमेरिका प्रमुख है।

9 उत्तर अमेरिका के मूल निवासियों की विशेषताएं/ जीवन शैली

9.1 यह लोग नदी घाटी के साथ-साथ बने गांव में समूह बनाकर रहते थे।

9.2 यह मछली और मांस खाते थे तथा सब्जियां और मक्का उगाते थे।

9.3 यह अक्सर मांस की तलाश में लंबी यात्राओं पर जाया करते थे।

9.4 इन्हें मूल रूप से उन जंगली भैंसों की तलाश रहती थी वह घास के मैदान में घूमते रहते थे। लेकिन वह उतने ही जानवर मारते थे जितने कि उन्हें भोजन के लिए जरूरत थी।

9.5 यह कुशल कारीगर थे, खूबसूरत कपड़े बुनते थे।

10. यूरोपियनों से मुकाबला

10.1 जब यूरोपीय व्यापारी उत्तरी अमेरिका के तट पर पहुंचे तो, स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया और इनका व्यवहार मित्रवत रहा।

10.2 यह लोग यहां रोंएदार खाल और मछली के व्यापार के लिए आए थे, जिसमें उन्हें स्थानीय शिकारी लोगों से मदद मिली।

10.3 स्थानीय लोग अपनी आवश्यकताओं की वस्तुओं के आदान प्रदान हेतु मिसीसिपी के तट पर निश्चित रूप से मिलते थे।

10.4 यूरोपीय लोग इन स्थानीय लोगों से स्थानीय उत्पाद प्राप्त करते थे बदले में इन्हें बंदूकें शराब लोहे के बर्तन आदि दिया करते थे।

10.5 स्थानीय लोग पहले शराब से परिचित नहीं थे लेकिन अब शराब की आदत उन्हें हो गई जिससे यूरोपीय लोगों को अपना काम करना आसान हो गया।

10.6 यूरोपीय लोग स्थानीय लोगों से तंबाकू की आदत ग्रहण किए।

11 यूरोपियनों की पारस्परिक धारणाएं

11.1 यूरोपियन सभ्य लोगों की पहचान साक्षरता संगठित धर्म और शहरीपन के आधार पर ही करते थे।

11.2 स्थानीय लोगों को आ शब्द मानते थे इनके लिए " उदात्त उत्तम जंगली "शब्द का प्रयोग करते थे।

11.3 मूल वाशिंदे जिन वस्तुओं का आदान प्रदान इनके साथ करते थे उसे यह दोस्ती की उपहार स्वरूप भेंट करते थे, लेकिन यूरोपियनोंके लिए वह माल था जिसे ये यूरोप के बाजार में बेचकर मुनाफा कमाते थे, स्थानीय लोग इसकी इस धूर्तता पूर्ण नीति को नहीं समझ पाए।

© JCERT not to be republished

11.4 बाद में ये लोग यूरोपियनों की लालच को देखकर काफी दुखी रहने लगे।

11.5 क्योंकि स्थानीय लोग उद बिलाल का उतना ही शिकार करते थे, जितना उन्हें आवश्यकता थी। लेकिन यूरोपियन लोग व्यापार के दृष्टिकोण से अत्यधिक जानवरों का शिकार करते थे।

11.6 इससे मूलनिवासी इस बात से डर गए थे कि जानवर अपने मौत का बदला अवश्य लेंगे।

12 यूरोपियनों के आगमन एवं बसने का उद्देश्य

12.1 व्यापार के उद्देश्य से।

12.2 धार्मिक उत्पीड़न से त्रस्त नागरिक स्वतंत्र जीवन यापन के उद्देश्य से अमेरिका में बसने लगे।

12.3 भूस्वामी बनने की चाहत।

13 अमेरिका के मूल निवासियों का विस्थापन एवं दमन।

13.1 अमेरिका के मूल निवासियों के आजीविका के साधन।

13.2 कृषि

13.3 उद्योग

13.4 प्राकृतिक संसाधन

13.5 यूरोपियन इन संसाधनों पर अधिकार कर मूल निवासियों को विस्थापित कर दिया।

13.6 इन संसाधनों पर अधिकार करने के बाद इसके दोहन हेतु, मूल निवासियों को ही गुलाम बनाया गुलामी से इनकार करने वालों का सामूहिक दमन किया गया।

13.7 मूलनिवासी स्वभाव से स्वतंत्रता प्रेमी और स्वाभिमानी थे।

13.8 इसके कारण इनका दमन किया गया, इनके पीछे कुत्ते दौड़ा दिए जाते थे । मूलनिवासी गुलामी से बेहतर मौत को गले लगाना अधिक उचित समझते थे ।

13.9 17 वी सदी में अंग्रेजों ने बर्जिनिया को अपना प्रथम उपनिवेश बनाया। मूल निवासियों ने उनके निवास एवं भोजन दोनों की व्यवस्था की, लेकिन बाद में अंग्रेजों ने छल कपट से इनकी जमीन पर कब्जा कर इन्हें जंगल जाने के लिए मजबूर कर दिया।

13.10 यूरोपियन अपने साथ कुछ घातक बीमारी भी लाए जैसे चेचक इसके कारण अनेक लोग काल कलवित हो गए।

13.11 बाद में यूरोपियनों की संख्या बढ़ने लगी स्थानीय लोगों की संख्या घटने लगी।

13.12 1825 से 1858 ईस्वी के बीच अमेरिका के लोग आरक्षित क्षेत्र (रिजर्वेशंस) में पहुंचे ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन एवं इटली आदि यूरोपीय देशों से कई लोगों ने अमेरिका आकर जमीनें खरीदी और उन्हें बेदखल कर दिया।

14 गोल्ड रश और उद्योग में वृद्धि

14.1 1840 ईसवी में संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में सोने के कुछ चिन्ह मिले तथा गोल्ड रश प्रारंभ हुआ।इसके कारण रेल लाइनों का निर्माण, औद्योगिक नगरों का विकास, कारखानों की संख्या में वृद्धि।

14.2 1860ईस्वी में यूएसए की अर्थव्यवस्था अविकसित अवस्था में थी, लेकिन 1890 ईसवी में वह दुनिया की अग्रणी औद्योगिक शक्ति बन चुकी थी।

14.3 1892 इसवी तक अमेरिका का

not to be republished © JCERT

महाद्वीपीय विस्तार पूरा हो चुका था कुछ ही वर्षों में उसने हवाई दीप और फिलीपींस में अपने उपनिवेश द्वारा स्थापित कर एक साम्राज्यवादी शक्ति बन गया।

15 संवैधानिक अधिकार

15.1 संविधान में "व्यक्ति के संपत्ति के अधिकार "को शामिल किया गया जिसे रद्द करने की छूट राज्य को नहीं थी।

15.2 संपत्ति का अधिकार।

15.3 लेकिन यह सभी अधिकार सिर्फ गोरे लोगों को प्राप्त था।

16 बदलाव की लहर

16.1 1934 का इंडियन रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट के द्वारा रिजर्वेशंस में मूल निवासियों को जमीन खरीदने और ऋण लेने का अधिकार हासिल हुआ।

16.2 1954 ईस्वी में अनेक मूल निवासियों ने अपने द्वारा तैयार किए गए" डिक्लेरेशन ऑफ इंडियन राइट्स" में इस शर्त के साथ अमेरिका की नागरिकता स्वीकार की कि उनके रिजर्वेशंस वापस नहीं लिए जाएंगे और उनकी परंपराओं में दखलअंदाजी नहीं की जाएगी।

16.3 यद्यपि अमेरिका के मूल निवासियों की संख्या बहुत कम हो गई थी मगर बीसवीं सदी के अंत तक वे अपनी प्राचीन संस्कृति एवं समस्याओं को कायम रखने की भरपूर कोशिश की।

1 ऑस्ट्रेलिया

17.1 ऐवारिजिनीज:- ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती मानव या आदिमानव, यह कई भिन्न-भिन्न समाजों के लिए एक सामान्य नाम है।

17.2 ऐवारिजिनीज ऑस्ट्रेलिया में 40000 साल पहले आना शुरू किए थे।

17.3 18 वीं सदी के आखिरी दौर में आस्ट्रेलिया में मूल निवासियों की 350 से 750 तक समुदाय थे। हर समुदाय की अपनी भाषा थी।

17.4 ऑस्ट्रेलिया में ज्यादातर शहर समुद्र तट के साथ बसे हैं, क्योंकि बीच का इलाका शुष्क मरूभूमि है।

17.5 मूल निवासियों के साथ आवादकारों का संबंध मित्रवत् था।

17.6 लेकिन बाद में मूल निवासियों के द्वारा कुक की हत्या कर दी गई तब दोनों एक दूसरे के खिलाफ हो गए।

17.7 शुरुआत में आस्ट्रेलिया में ज्यादातर आबादकर इंग्लैंड से निर्वाचित होकर आए थे।

18 ऑस्ट्रेलिया का विकास

18.1 भेड़ों की विशाल फर्म और खाने।

18.2 गेहूं की खेती।

18.3 अंगूर के बाग, मदिरा उद्योग।

19 मूल निवासियों के बदलाव की लहर

19.1 मूल निवासियों के संस्कृति अध्ययन के लिए विश्वविद्यालय विभागों की स्थापना।

19.2 आर्ट गैलरी की स्थापना।

19.3 संग्रहालयोंकी स्थापना।

20.1 1974 से बहुसंस्कृतिवाद ऑस्ट्रेलिया की राजकीय नीति रही है जिसने मूल निवासियों की संस्कृति और यूरोप तथा एशिया के

© JCERT not to be republished

अप्रवासियों की भांति- भांति संस्कृतियों को समान आदर दिया है।

20.2 सरकार हमेशा से आस्ट्रेलिया के जमीन को टेरान्यूलियस कहती आई इसका मतलब है जो किसी का नहीं है।

21. स्मरणीय तथ्य

21.1 जब 1453 ईस्वी में तुर्कों ने कुस्तुनतुनिया पर अधिकार कर एशिया माइनर होकर भारत जाने वाले व्यापारिक मार्गों को रोक दिया।

21.2 पुर्तगाल के शासक हेनरी को भौगोलिक खोजों एवं समुद्री यात्राओं में काफी दिलचस्पी थी इसलिए इसे नाविक हेनरी भी कहा जाता है।

21.3 क्रिस्टोफर कोलंबस ने एक 11 अक्टूबर 1492 ईस्वी को अमेरिका की खोज की।

21.4 1498 ईस्वी में वास्कोडिगामा की पॉप गुड होप से होकर भारत के कालीकट के तट पर पहुंचा।

21.5 यूरोपियनों द्वारा अमेरिका में स्वर्ण दोहन के लिए अपनाई गई नीति 3G नीति कहलाती है।

21.6 माया सभ्यता मैं स्थापित अत्यंत विकसित अवस्था में थी। इस सभ्यता से कई भवन वेधशाला एवं मंदिर के चिन्ह मिले हैं।

21.7 यूरोप बासी अमेरिका में आलू तंबाकू मक्का आदि से परिचित हुए।

21.8 अमेरिका का नाम अमेरिगो वैस्पुची के नाम पर रखा गया।

21.9 एजटेक सभ्यता का विनाश 1519 इसमें कॉटेज के द्वारा किया गया।

21.10 कोलंबस के जहाज का नाम 'एंटरप्राइज ऑफ द इंदीद था।'

प्रश्नावली
बहुविकल्पी प्रश्न

1. यूरोपियों द्वारा उपनिवेशओं की स्थापना का कारण क्या था?

(क) कच्चे माल की प्राप्ति

(ख) निर्मित माल की खपत

(ग) ईसाई धर्म का प्रचार

(घ) उपर्युक्त सभी

2. ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासी कौन थे?

(क) मावरियों

(ख) इंडियन

(ग) झिंगवो

(घ) तस्मान

3. अमेरिका के किस राष्ट्रपति ने मूल निवासियों को अभागी नस्ल कहा?

(क) वाशिंगटन

(ख) अब्राहम लिंकन

(ग) थॉमस जेफरसन

(घ) बुकानन

4. उत्तरी अमेरिका के मूल निवासियों की मुख्य विशेषताएं बताएं।

(क) समूह में रहते थे

(ख) फल सब्जी आदि खाते थे

(ग) मछली व मांस खाते थे व सब्जी व मकई उगाते थे

(घ) उपरोक्त सभी

© JCERT not to be republished

5. गोल्ड रस अमेरिका के किस राज्य से संबंधित है?

(क) कैलिफोर्निया

(ख) न्यूयॉर्क

(ग) वाशिंगटन

(घ) मिशीगन

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अमेरिका के लिए फ्रंटियर के क्या मायने थे?

2. उत्तर अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के मूल निवासियों के बीच के महत्वपूर्ण अंतर को लिखें?

3. अमेरिका के मूल निवासियों के विस्थापन की व्याख्या कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. साम्राज्यवादी शक्तियों ने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के देश की जनों का विस्थापन किन किन रंगों से क्या?

2. उपनिवेशवाद से आप क्या समझते हैं? प्रारंभिक उपनिवेश ओं की स्थापना का वर्णन करें।

© JCERT not to be republished